नईदुनिया

नेपाल की ओली सरकार ने पूर्व राजा ज्ञानेंद्र को अपने दायरे में रहने की दी नसीहत

काठमांडू

नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह की बढ़ती सक्रियता और देशभर में उनके पक्ष में सड़कों पर हो रहे प्रदर्शन के बीच केपी शर्मा ओली की सरकार ने उन्हें अपने दायरे में रहने की नसीहत दी है। सरकार ने कहा है कि अब देश में राजतांत्रिक व्यवस्था का लौटना संभव नहीं है।

लोकतंत्र को समाप्त करने की साजिश की जाएगी तो किसी भी कीमत पर उसको सफल नहीं होने दिया जाएगा।

कुछ दिनों पहले नेपाल के प्रजातंत्र दिवस के अवसर पर पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र ने देशवासियों के नाम वीडियो संदेश जारी करते हुए उन्हें समर्थन देने की अपील की थी। इसके बाद से ही उनके समर्थक दल देशभर में प्रदर्शन कर रहे हैं। राजधानी काठमांडू सहित कई शहरों में हुए प्रदर्शन के बाद इस पर सरकार ने अब प्रतिक्रिया दी है।

नेपाल सरकार के प्रवक्ता पृथ्वी सुब्बा गुरुंग ने शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में कहा कि पूर्व राजा और उनके समर्थकों द्वारा सड़क पर उछलकूद करने से देश में राजतंत्र दोबारा स्थापित नहीं हो सकता है। उन्होंने पूर्व राजा को चेतावनी देते हुए कि उनको अपने दायरे में रहना चाहिए। पूर्व सूचना तथा संचार मंत्री रहे गुरुंग ने कहा कि यदि देश में लोकतंत्र को समाप्त करने की साजिश की जाएगी तो किसी भी कीमत पर उसको सफल नहीं होने दिया जाएगा।

पूर्व राजा के पक्ष में बढ़ते जनसमर्थन पर कटाक्ष करते हुए सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि देशवासियों को पूर्व राजा के झांसे में नहीं आना चाहिए। जो व्यक्ति अपने परिवार और दरबार की सुरक्षा नहीं कर सकता, उसे देश की सुरक्षा के बारे में बोलने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि नेपाल एक उदार लोकतांत्रिक देश है। इसके कारण पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह सम्मान और सरकारी सुरक्षा के साथ देश में रह रहे हैं। गुरुंग ने कहा कि यदि किसी और देश में राजा को सत्ता छोड़ने की नौबत आती तो वह सीधे जेल में होता या देश छोड़ कर जा चुका होता, लेकिन नेपाल सरकार उन्हें पूरे सम्मान के साथ और सरकारी सुरक्षा देकर यहां रहने दे रही है, इसका उन्हें एहसान मानना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

इजरायल ने वेस्ट बैंक से 10 भारतीय मजदूरों को छुड़ाया, पासपोर्ट छीन कर बनाए गए थे बंधक

यरूशलम। इजरायल ने बंधक बनाए गए गए 10 भारतीय मजदूरों को वेस्ट बैंक से छुड़ाया गया है। इन भारतीय मजदूरों को वेस्ट बैंक के एक गांव से बचाया गया, जहां पासपोर्ट छीन लिए जाने के बाद से उन्हें करीब एक महीने से बंधक बनाकर रखा गया था। खबर के मुताबिक इन श्रमिकों को जनसंख्या और इमीग्रेशन अथॉरिटी ने इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) और न्याय मंत्रालय के साथ मिलकर चलाए गए एक रात्रिकालीन अभियान में बचाया गया। सभी मजदूरों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। खबर के मुताबिक फिलिस्तीनी काम देने का वादा करके इन सभी को अल-जायेम गांव में ले गये और फिर उनके पासपोर्ट छीन कर उन्हें बंधक बना लिया। फलस्तीनियों ने भारतीय नागरिकों के पासपोर्ट का इस्तेमाल कर इजरायल में प्रवेश की कोशिश की। इजरायली रक्षा बलों ने एक सीमा चौकी पर इन संदिग्धों को रोक कर पूछताछ की तो भारतीय मजदूरों को बंधक बनाए जाने की भनक लगी। बताया जाता है कि पिछले एक साल में निर्माण उद्योग में काम करने के लिए काफी संख्या में भारतीय मजदूर इजराइल पहुंचे हैं।

मजाकिया अंदाज में सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को लेकर क्या कह गए ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बातें कई बार इतनी अजीब होती हैं कि उनका मतलब निकालना भी मुश्किल होता है। अपने बयानों को लेकर चर्चा में रहने वाले ट्रंप ने अब भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्रीद सुनीता विलियम्स को लेकर एक ऐसा ही बयान दिया है। ट्रंप ने कहा है कि इतने समय तक अंतरिक्ष में साथ रहने के बाद उन्हें अब तक अपने साथी एस्ट्रोनॉट बुच विल्मोर से प्यार हो गया होगा। इतना हीं नहीं ट्रंप ने सुनीता विलियम्स के बालों पर भी कमेंट किए हैं। बता दें कि सुनीता 20 साल से शादीशुदा हैं। दरअसल ट्रंप ओवल ऑफिस में पत्रकारों के सवाल का जवाब दे रहे थे। तभी ट्रंप ने सुनीता और बुच विल्मोर को जल्द से जल्द वापस लाने का आश्वासन दिया। प्रेसवार्ता में ट्रंप से यह पूछने पर कि क्या उनके पास अंतरिक्ष यात्रियों के लिए कोई संदेश है, ट्रंप ने कहा, हम आपको लेने आ रहे हैं। ट्रंप ने मजाकिया अंदाज में कहा, मुझे उम्मीद है कि वे एक-दूसरे को पसंद करने लगे होंगे, शायद वे एक-दूसरे से प्यार करते होंगे, मुझे नहीं पता। लेकिन उन्हें वहीं छोड़ दिया गया है। इसके बारे में सोचो। बता दें कि सुनीता विलियम्स की शादी को अब 20 साल हो चुके हैं। वहीं विल्मोर भी शादीशुदा हैं और उनकी दो बेटियां हैं। ट्रंप यहीं नहीं रुके उन्होंने लगे हाथों सुनीता के बालों की तारीफ भी की। अंतरिक्ष के शून्य गुरुत्वाकर्षण में सुनीता का एक वीडियो के वायरल होने के बाद ट्रंप ने सुनीता को जंगली बालों वाली महिला कहा। ट्रंप ने कहा, उनके बाल बहुत घने हैं।

हिजाब के खिलाफ गाया गाना, 74 कोड़े खाने के बाद भी नहीं टूटा गायक

तेहरान। ईरान में हिजाब विरोधी आंदोलन के लिए गाना लिखने वाले ईरान गायक मेहदी यारही को 74 कोड़े मारे गए। अपनी सजा के बारे में मेहदी ने इसे अमानवीय यातना बताते हुए इसकी निंदा की। उन्होंने लिखा कि मैंने अपनी सजा स्वीकार कर ली है। क्योंकि जो स्वतंत्रता की कीमत चुकाने को तैयार नहीं है, वह स्वतंत्रता के हकदार भी नहीं है। आपको ईदी की शुभकामनाएं। ईरान में महीसा अमीनी नामक एक महिला की मौत के बाद से ही हिजाब विरोधी आंदोलन तेज हो गया था। ईरानी सरकार ने इस आंदोलन का दमन बड़ी ही क्रूरता के साथ किया। सितंबर 2023 में इस आंदोलन के एक साल होने को यादगार बनाते हुए मेहदी ने इसके लिए एक गाना रिलीज किया था। इसके लिए ईरानी सरकार ने उनके खिलाफ केस दर्ज किया था। जनवरी 2024 में मेहदी को गाने के लिए एक साल की सजा सुनाई थी। दिसंबर में उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया था।

मास्क विभागों के अध्यक्ष नहीं, उन्हें कर्मचारियों को निकालने का अधिकार नहीं:डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कैबिनेट को बताया कि उनके सलाहकार एलन मस्क उनके विभागों के अध्यक्ष नहीं हैं और उन्हें संघीय कर्मचारियों को निकालने का अधिकार नहीं है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में बताया गया है कि ट्रंप ने कहा कि टेस्ला के प्रमुख केवल विभागों को सलाह देने के लिए हैं, लेकिन वे कर्मियों और नीतियों पर एकतरफा फैसला लेने के लिए अधिकृत नहीं हैं। एलन मस्क इस निर्देश से सहमत थे और बैठक में उपस्थित थे। वहीं मस्क ने कहा कि नौकरी से निकाले जाने के वो जिम्मेदार नहीं हैं। रिपोर्ट के मुताबिक एलन मस्क ने ट्रंप के पहले कैबिनेट बैठक में पिछले सप्ताह इबोला रोकथाम फंडिंग को गलती से रद्द करने पर भी अपनी गलतियों को स्वीकार किया। यह घटनाक्रम मस्क और उनकी नई बनाई गई डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशियेंसी (डॉज) के साथ जुड़ा हुआ है, जो फेडरल कर्मचारियों की छंटनी समेत लागत घटाने के उपायों पर काम कर रहा है। एलन मस्क ने खुद सरकारी कर्मचारियों को नहीं निकाला। उन्हें ऐसा करने का कानूनी अधिकार नहीं है, लेकिन डॉज के प्रयासों के कारण महत्वपूर्ण संख्या में छंटनी और इस्तीफे हुए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक 20 हजार से ज्यादा कर्मचारियों को नौकरी से निकाला गया है, जबकि 75 हजार ने स्वैच्छिक तरीके से निकालने का प्रस्ताव स्वीकार किया है। इन छंटनियों का मुख्य रूप से असर उन कर्मचारियों पर पड़ा है, जो प्रोबेशनरी स्थिति में थे। उनके पास नागरिक सेवा संरक्षण कम होता है, जिससे उन्हें हटाना आसान है। इन छंटनियों का असर कई एजेंसियों पर पड़ा है, जिनमें आंतरिक राजस्व सेवा, ऊर्जा मंत्रालय, यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ वेटरन्स अफेयर्स और अन्य शामिल हैं।

नौकरी से निकालने के लिए मैं जिम्मेदार नहीं: एलन मस्क

मस्क ने रिपब्लिकन सांसदों के सामने इन मामलों को लेकर कहा कि सरकार के आकार को कम करने के लिए हुई कर्मचारियों की बर्खास्तगी के लिए वह जिम्मेदार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि एक सप्ताह की बातचीत के बाद यह फैसला उन्होंने संघीय एजेंसियों पर छोड़ दिया था।

मस्क को पलभर में लगा 156818603520 रुपए का झटका और मच गया कोहराम

सैन फ्रांसिस्को। अरबपति एलन मस्क को एक ही पली में 156818603520 रुपए का झटका लग गया है। स्पेसएक्स के विशाल स्टारशिप मेगा-रॉकेट सिस्टम की आठवीं उड़ान भरने के लिए शुरू ही हुआ था कि उसका संपर्क टूट गया। वह आसमान में ब्लास्ट के बाद आग की गोले में बदल गया। मानो आसमान से आग बरस रही हो। बहामास के तट पर रॉकेट के मलबे के गिरने का वीडियो भी सामने आया है। हालांकि, यह प्रक्षेपण एलन मस्क को खुश करने के लिए काफी है। रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि कंपनी रॉकेट से बूस्टर को पकड़ने में सफल रही, क्योंकि यह लॉन्च टॉवर पर वापस आ गया था, लेकिन स्टारशिप अंतरिक्ष यान खो गया था। स्पेसएक्स के स्टारशिप में ब्लास्ट के बाद एक और बड़ी खबर अमेरिका के फ्लोरिडा से ही आ रही है। अमेरिकी विमानन अधिकारियों ने स्पेसएक्स के स्टारशिप के मलबे गिरने की डर से फ्लोरिडा के कई हवाई अड्डों पर फ्लाइट को रेक दिया गया है। अटलांटिक महासागर के ऊपर असफल प्रक्षेपण के बाद ऑरलैंडो और मियामी के हवाई अड्डों पर ग्राउंड स्टॉप लगा दिया गया था। हालांकि इसे तब से हटा लिया गया है। किसी भी चोट या क्षति की सूचना नहीं मिली है। स्पेसएक्स के स्टारशिप अंतरिक्षयान में गुरुवार को टेक्सास से उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद विस्फोट हो गया, जिससे इस साल एलन मस्क के मंगल रॉकेट कार्यक्रम के लिए नकली उपग्रहों को तैनात करने का प्रयास विफल हो गया। सोशल मीडिया पर कई वीडियो में अंतरिक्ष में स्टारशिप के टूटने के बाद दक्षिण फ्लोरिडा और बहामास के पास शाम के आसमान में आग के मलबे को देखा जा सकता है। इसके इंजन बंद होने के साथ ही अनियंत्रित रूप से घूमने के तुरंत बाद हुआ, मिशन के स्पेसएक्स लाइवस्ट्रीम में दिखाया गया। यह विफलता कंपनी की सातवीं स्टारशिप उड़ान के एक महीने से भी कम समय बाद हुई है, जो विस्फोटक विफलता में समाप्त हुई थी।

एथेना लैंडर चंद्रमा पर उतरा थोड़ी देर बाद हो गया गायब

वाशिंगटन

अमेरिका की प्राइवेट कंपनी इंट्यूएटिव मशीन्स का एथेना लैंडर गुरुवार को चांद पर उतरा गया। इसकी पुष्टि नासा ने की। अब कहा जा रहा है कि इसकी स्थिति की जानकारी नहीं मिल रही है। वहीं नासा ने लाइव टेलिकास्ट भी बंद कर दिया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह पता नहीं चल पा रहा कि लैंडर चांद की सतह पर सीधा खड़ा है या नहीं।

मीडिया रिपोर्ट में जानकारी दी गई है कि मिशन की पुष्टि को लेकर समय लग सकता है। मिशन के डायरेक्टर और कंपनी के टिम क्रेन भी स्पष्ट नहीं कर पाए कि मिशन चंद्रमा पर उतरा भी है या नहीं। उन्होंने कहा कि लैंडर की स्थिति का पता लगाने की कोशिश जारी है। अधिकारियों का कहना है कि सतह पर उतरने के बाद भी लैंडर से संपर्क साधा गया था। पिछली बार जब 'इंट्यूटिव मशीन्स' नामक इस कंपनी ने एक साल पहले चंद्रमा पर अंतरिक्ष यान उतारा था, तो वह तिरछा होकर गिर गया था। कंपनी का सबसे नया 'एथेना लैंडर' योजना के मुताबिक चंद्रमा की कक्षा से बाहर निकल गया है। उसमें एक 'आइस ड्रिल', एक ड्रोन और दो रोवर लगे हैं।

एक घंटे तक ऐसा लगा कि यह 'लैंडर' अच्छी तरह उतर रहा है लेकिन मिशन कंट्रोल को उसके उतरने की पुष्टि करने में समय लगा। उन्होंने कहा कि हम यह मूल्यांकन कर रहे हैं कि सतह पर हमारा झुकाव कितना है। अधिकारियों ने बताया कि 'एथेना' कंट्रोलर से संपर्क कर रहा था और सौर ऊर्जा पैदा कर रहा था लेकिन लैंडिंग के 20 मिनट बाद भी क्रेन यह पुष्टि करने में असमर्थ था कि लैंडर के साथ सब कुछ ठीक है या नहीं। नासा और इंट्यूटिव मशीन्स ने इस लैंडिंग का सीधा प्रसारण बंदर करते हुए कहा कि बाद में वे और जानकारियां साझा करेंगे। गौरतलब है कि पिछले साल, इंटुएटिव मशीन्स ने इतिहास रचा था जब इसके पहले चंद्र लैंडर ओडीसियस ने चंद्र सतह पर एक नरम टचडाउन किया, जो 50 से ज्यादा सालों में चंद्र सतह पर उतरने वाला पहला अमेरिकी अंतरिक्ष यान था। नासा के मुताबिक लैंडर वैज्ञानिक उपकरणों से भरा हुआ है और चंद्रमा के पर्यावरण को और समझने के लिए नासा की विज्ञान जांच और प्रौद्योगिकी प्रदर्शनों को ले जायेगा और चंद्रमा की सतह पर भविष्य के मानव मिशनों की तैयारी में मदद मिलेगी।

वैज्ञानिक टेंशन में कि लैंडर चांद की सतह पर सीधा खड़ा है या नहीं

अमेरिकी दूतावास के सामने, युद्धबंदियों की रिहाई की मांग के लिए रैली

यूक्रेन पर चल रहे रूसी हमले के बीच यूक्रेन के युद्धबंदियों के रिश्तेदार कीव में संयुक्त राज्य अमेरिका के दूतावास के सामने, रूस के साथ किसी भी शांति वार्ता या समझौते से पहले सभी युद्धबंदियों की रिहाई की मांग करते हुए एक रैली में शामिल हुए।

एक पहिए के बगैर विमान की काठमांडू में लैंडिंग, सभी यात्री सुरक्षित

काठमांडू

नेपाल के हवाई क्षेत्र में एक विमान बिना एक पहिए के जनकपुर से काठमांडू में लैंड किया और पायलट को इस बात का पता भी नहीं चला। हालांकि विमान सुरक्षित लैंड हुआ और सभी यात्री सुरक्षित हैं। जनकपुर से काठमांडू के लिए आए बुद्ध एयर के विमान के एक पहिया के बगैर लैंडिंग कराने के कारण नेपाल की हवाई सुरक्षा पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। गुरुवार शाम बुद्ध एयर का विमान संख्या 4 508 जनकपुर से शाम 16:39 बजे रवाना हुआ और 17:05 बजे काठमांडू में लैंड हुआ। इस दौरान विमान का एक पहिया नहीं दिखा। इस बात का पता पायलट को तब हुआ जब अगले गंतव्य के लिए उड़ान भरने से पहले विमान की जांच की जा रही थी। नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के प्रवक्ता ज्ञानेन्द्र भुल ने बताया कि पायलट को पोस्ट फ्लाइट चेक के दौरान नोज गियर (अगला पहिया) नहीं होने की खबर लगी। प्रवक्ता ने बताया कि इस पहिए के बारे में तत्काल पता लगाने के लिए

जनकपुर विमानस्थल को सूचना दी गई। जनकपुर विमानस्थल में ढूंढने पर पता चला कि इस विमान का एक पहिया वहीं रनवे पर पड़ा था और उसके नॉट वोल्ट टूटे हुए थे। ज्ञानेन्द्र भुल ने बताया कि रनवे पर यू टर्न लेते समय यह पहिया निकल गया था। विमान के पुराने मॉडल का होने के कारण पहिया की तरफ न तो कैमरा लगा होता है और ना ही सेंसर की सुविधा है, जिस कारण पायलट को इसकी जानकारी नहीं मिल पाई। प्राधिकरण के प्रवक्ता ने कहा कि इस घटना के तुरंत बाद बुद्ध एयर के जहाज को ग्राउंडेड कर इसकी जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यार्पण का रास्ता साफ, अमेरिकी अदालत ने खारिज की फैसले पर रोक की मांग

वॉशिंगटन

मुंबई आतंकवादी हमले के आरोपित तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण का रास्ता साफ हो गया है। भारत प्रत्यर्पण के फैसले पर रोक लगाने की उसकी मांग अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी।

तहव्वुर ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में अपील कर कहा था कि उसे भारत प्रत्यर्पित न किया जाए। उसने इमरजेंसी स्टे की मांग करते हुए कहा था कि भारत भेजे जाने पर उसे टॉर्चर किया जा सकता है। वह मुस्लिम है और पाकिस्तानी मूल का है इसलिए उसे ज्यादा खतरा है। उसने अपने खराब स्वास्थ्य का भी हवाला देते हुए प्रत्यार्पण पर रोक की मांग की थी।

पाकिस्तान मूल के कनाडाई नागरिक तहव्वुर राणा (64) को लॉस एंजिलिस के मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में रखा गया है। वह 26/11 के मुंबई आतंकी हमले के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक पाकिस्तानी-अमेरिकी आतंकी डेविड कोलमैन हेडली का करीबी है। अमेरिका में उसे आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के लिए काम करने का दोषी पाया गया

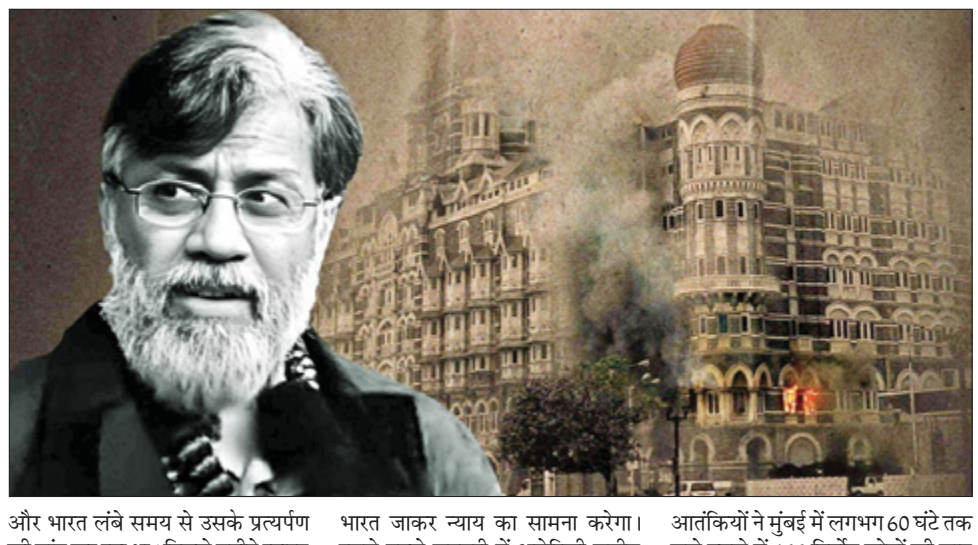

और भारत लंबे समय से उसके प्रत्यर्पण की मांग कर रहा था। पिछले महीने व्हाइट हाउस में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की थी कि तहव्वुर राणा को भारत भेजा जाएगा और वह भारत जाकर न्याय का सामना करेगा। इससे पहले जनवरी में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी थी, क्योंकि कोर्ट ने मामले में उसकी समीक्षा याचिका खारिज कर दी थी। 26 नवंबर 2008 को 10 पाकिस्तानी आतंकियों ने मुंबई में लगभग 60 घंटे तक चले हमले में 166 निर्दोष लोगों की जान ले ली थी। हमले के बाद आतंकी अजमल कसाब को जिंदा पकड़ लिया गया था। नवंबर 2012 में कसाब को पुणे की यरवदा जेल में फांसी दी गई थी।

प्लेन के अंदर गन लेकर पहुंचा शख्स, पहले जोर से चिल्लाया और फिर....हलक में फंसी 160 यात्रियों की जान

कैनबरा। मेलबर्न से सिडनी जा रहे एक विमान में उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक नाबालिग बंदूक हवा में लहराते हुए विमान में घुसने की जिद करने लगा। इसी बीच कुछ यात्री डर गए तो कुछ ने हिम्मत जुटाकर उसे पकड़ लिया और पुलिस के आने तक उसे रोके रखा। एक नाबालिग मेलबर्न के पास एवलॉन हवाई अड्डे पर सभी सुरक्षा जांच को गच्चा देते हुए प्लेन तक पहुंच गया। वो बंदूक लहराते हुए प्लेन में सवार होने की फिराक में था। प्लेन की सीढ़ियों पर वो पहले जोर से चिल्लाया और फिर तमतमाते हुए अंदर जाने लगा। प्लेन में 160 यात्री सवार थे। सभी की जान हलक में आ गई। कुछ यात्रियों ने खुद ही जैसे-तैसे पूरी परिस्थिति पर काबू पाया और इस 17 साल के किशोर से पहले गन छीनी। फिर उसे पुलिस के आने तक बंधक बनाए रखा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह युवक शॉटगन और गोला-बारूद के साथ विमान में चढ़ गया था। यह विमान मेलबर्न से सिडनी जा रहा था। पुलिस का मानना है कि किशोर सुरक्षा बाड़ को तोड़कर हवाई अड्डे के टरमैक पर चढ़ गया और फिर विमान के सामने की सीढ़ियों पर चढ़ गया, जहां उसे सामने के दरवाजे के पास जमीन पर पटक दिया गया। किशोर की पहचान अबतक नहीं हो सकी है। उसके खिलाफ विमान पर अवैध रूप से नियंत्रण करना, उड़ान की सुरक्षा को खतरे में डालना और बम की अफवाह फैलाना सहित कुल आठ धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। यात्रियों में से एक बैरी क्लार्क ने बताया कि किशोर हवाई अड्डे के कर्मचारी की तरह कपड़े पहने हुए था और और काफी गुस्से में दिख रहा था। मैं सिर्फ़ इतना कर सकता था कि बंदूक को रास्ते से हटा दूंज और फिर उसे पकड़कर जमीन पर पटक दूं जब तक कि पुलिस न आ जाए।